



ठीक नहीं रहा सप्ताह, अडानी की सात कंपनियों को हुआ 3800 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। मई महीने का शुरुआत न तो थेरेल शेयर बाजार के लिए और अडानी समूह के लिए ठीक रही है। महीने के पहले सप्ताह के दौरान दोनों प्रमुख थेरेल शेयर सूचकांकों निपटी और सेसेक्स पर दबाव बना रहा, जबकि अडानी समूह की कंपनियों को नुकसान उठाना

सप्ताह के दौरान बाजार रहा फ्लैट

पिछले सप्ताह के दौरान आखिरी दिन यानी 5 मई को सेसेक्स और निपटी में भारी गिरावट आई। अंतिम दिन सेसेक्स में करीब 700 अंक की गिरावट आई, जबकि निपटी 1.15 फीसदी के आपास के नुकसान में रहा। इसने सप्ताह के



अन्य दिनों के प्रदर्शन को फीसदी कर दिया और बाजार लगभग पर्टैट रह गया।

कई कंपनियों का रिझल्ट जारी

अडानी समूह की बात करे तो सप्ताह के दौरान फ्लैटशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर मामले में जिन कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा, उनमें अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के भाव लगभग

स्थिर रहे। अडानी ग्रीन एनर्जी में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई, जबकि अडानी ट्रांसमिशन करीब 3 फीसदी के नुकसान में रहा। सप्ताह के दौरान अडानी समूह की कंपनियों ने मार्च तिथी का परिणाम जारी किया, जिसके चलते उनके भाव में उथल-पुथल रही।

कम हुआ इन कंपनियों का एम्प्रेक्यू

आलोच्य सप्ताह के दौरान भाव में उत्तर-चाहाव के चलते अडानी समूह की 10 लिटरेंड कंपनियों में से 7 के बाजार पूंजीकरण में 3,782 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई। बाजार पूंजीकरण के मामले में जिन कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा, उनमें अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी इकोनॉमिक जोन के भाव लगभग

अडानी टोटल गैस और अडानी विल्पर शामिल रही। इनके बाजार पूंजीकरण में 507 करोड़ रुपये से 2,856 करोड़ रुपये के बीच गिरावट आई।

बढ़ गया इनका बाजार पूंजीकरण

वहीं दूसरी ओर अडानी समूह की कुछ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में सुधार देखने के बाकी दो सप्ताह से हर रोज मजबूत द्रवदान कर रहे अडानी पावर के एम्प्रेक्यू में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई। पिछले सप्ताह के दौरान अडानी पावर का बाजार पूंजीकरण 5,775 करोड़ रुपये बढ़ा। वहीं अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के बाजार पूंजीकरण में 698 करोड़ रुपये की तेजी आई।

गोल्ड बुलियन की अनिवार्य हॉलमार्किंग 1-

जुलाई से नहीं होगी लागू

बैंक समझौते की अभी स्ट्रेटेजीस के साथ बातचीत जारी, गोल्डलाइंस को श्रृंखला रुप दिया जा रहा



नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। बैंक के कर्मचारियों को हफ्ते में सिर्फ 5 दिन काम करने की मंजूरी जल्द मिल सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक एम्प्रॉजेक्ट और इंडियन बैंक एस्ट्रोपिशन के लिए सप्ताह के दौरान भाव लगभग

है और यूरोप में पांच दिन काम करने की छुट्टी

बैंक एम्प्रॉजेक्ट के अफक्सर्स एसोसिएशन के महासचिव एस नाराजन ने कहा कि

अतिरिक्त काम करेंगे। अपी मौजूदा समय में बैंक महीने के दूसरे और चौथे शनिवार बंद रहते हैं। ऐसे में ग्राहकों को काफी कंप्यूजन भी है। बैंक यूनियनों ने लंबे समय से पांच दिन काम करने को लेकर बातकाल की है।

ट्रिजिटी छोड़ दें ये काम

बैंक के कस्टमर छुट्टी के दौरान ऑनलाइन कई काम कर सकते हैं। इसके अलावा, मोबाइल बैंकिंग, एटीएम और अन्य कार्य को पूरा कर सकते हैं। हालांकि बैंक शाखा से जुड़े पासवर्क प्रिंट, लोन लेने या फिर किसी अन्य जरूरी काम को पूरा नहीं कर पाएंगे।

कब लागू होगा ये प्रस्ताव

सालानार्सी अवाज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फाइनेंस मिनिस्ट्री इसे जल्द अप्रूव कर सकती है।

हर शनिवार को करनी होती है छुट्टी ध्यानित

अल इंडिया बैंक ऑफक्सर्स

ये लागू होने के बाद कर्मचारी

सुबह 9:45 बजे से शाम 5:30 बजे तक प्रतिदिन 40 मिनट

यारी के लिए सप्ताह का समय

है और यूरोप में जारी करने की छुट्टी

हिंदू मैतेई चाहते हैं एसटी दर्जा, भड़के ईसाई आदिवासी

23 हजार लोगों ने डरकर घर छोड़ा; मणिपुर हिंसा की असली कहानी

इंफल, 7 मई (एक्स्प्रेस डेस्क)। 5 मई को मणिपुर के चुरचांदपुर में सीआरपीएफ के एक कोबारा कमांडो चॉनखोलेन की गांती मारकर हत्या कर दी गई। वो छुट्टी पर अपने गांव में थे। इसी दिन इम्फाल में इयर्टी पर तैनात टैक्स असिस्टेंट लेटमिनथांग को मार दिया गया। मारकाट का ये सिलसिला पिछले 3 दिनों से जारी है। अब तक 54 लोगों की मौत हो चुकी है और 100 से ज्यादा घायल हैं। 23 हजार से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया है।

मणिपुर में हिंसा के पीछे हिन्दू बनाम जनजाति का मुद्दा आया है, कौन-से आरक्षण के चक्रमें आस में मारकर कर रहे मणिपुरी लोग, क्यों कुकी और नागा जनजातियों की जीवनी सरकार और सीएस से नाराज हैं? इसी की पड़ताल करती रिपोर्ट।

मणिपुर एक क्रिकेट स्टेडियम की तरह है। इसमें इम्फाल घाटी पिच की तरह बिल्कुल बीच में है। ये पूरे प्रदेश का 10% हिंसा है, जिसमें प्रदेश की 57% आवादी रहती है। वाकी चारों रुपय 90% हिस्से में पहाड़ी इलाके हैं, जहां प्रदेश की 42% आवादी रहती है।

इम्फाल घाटी वाले इलाके में मैतेई समुदाय का दबकब है। ये ज्यादातर हूंडे होते हैं। मणिपुर की कुल आवादी में उनकी हिस्सेदारी करीब 53% है। मणिपुर के कुल 60 विधायकों में से 40 विधायक मैतेई समुदाय से हैं। पहाड़ी इलाकों में 33 मान्यता प्राप्त जनजातियां रहती हैं, जिनमें मुख्य रूप से इनकी जनजाति है। ये दोनों जनजातियों में खांडी बदली जा रही है।

अंदर ही अंदर सुलग रही थी आग

मणिपुर के चुरचांदपुर में 3 मई को भड़की हिंसा की आग पिछले कई महीनों से सुलग रही थी। मणिपुर के मुख्यमंत्री वीरेन्द्र सिंह की सरकार का कहना है कि आदिवासी समुदाय के लोग मैतेई समुदाय से हैं। पहाड़ी इलाकों में जीवन संरक्षित जंगलों और वन इलाकों में 33 मान्यता प्राप्त जनजातियां रहती हैं, जिनमें मुख्य रूप से इनकी जनजाति हैं। ये दोनों जनजातियों में खांडी बदली जा रही है।

किसी तरह के अतिक्रमण का घटनाक्रम हुआ। दरअसल, कुकी जनजाति के कई संगठन 2005 तक सेन्य विद्रोह शामिल रहे हैं। मनमोहन सिंह से उत्तर सरकार के समय, 2008 में तकरीबन सभी कुकी विद्रोही संगठनों से केंद्र सरकार ने उनके खिलाफ सेन्य कारबाहै रोकने के लिए सरकारी अधिकारी ने उनकी इलाकों से घाटी में आकर बसने पर ऐके रोक नहीं है। इससे दोनों समुदायों में खांडी बदली जा रही है।

विरोध करने पर राज्य सरकार ने इन इलाकों में धारा 144 लगाकर प्रदर्शन करने पर पारंपरी लगाई है। नवीन यह हुआ कि कुकी समुदाय सबसे बड़े जनजातियों से संगठन ने कुकी इनपी ने सरकार के खिलाफ बड़ी ऐलोनिकाले को एलान कर दिया। इस रैली के दौरान कांगपोकी नाम की जगह पुलिस और ऐलोनिक अफेंस की खेती कर रहे हैं। ये दोनों जनजातियों में खांडी बदली जा रही है।

इसी सिलसिले में उन्होंने मणिपुर

धारा 8-9 घटे बैठाकर वक्त बबंद होता है। ऐसा ही हुआ अंदर नाम बताओ इस तरह की बातें करते हैं। मैं शहर का महापौर हूं, नगर निगम इमरजेंसी सेवा के तहत एक दफ्तर में रखा था। अखिर अंदर होता था है पूछे जाने पर महापौर ने कहा कि वहां अधिकारी बहुत समय लेते हैं, मैं बैठने को कह दिया जाता है। किस संघर्ष में पूछताछ करने वाले हैं ये हमारी पता, हमारा अपराध क्या है। एजाज ढेवर ने कहा कि वो जिस तरह की जांच करना चाहते हैं मैं सहयोग करने को तैयार हूं।

बाहर बजा गाना धर कब आओगे

एजाज ढेवर को जैसे ही पूछताछ के लिए बुलाया गया, सुवह से रात तक महापौर ने कहा कि वहां अधिकारी बहुत समय लेते हैं, मैं बैठने को कह दिया जाता है। किस संघर्ष में पूछताछ करने वाले हैं ये हमारी पता, हमारा अपराध क्या है। एजाज ढेवर ने कहा कि वो जिस तरह की जांच करना चाहते हैं मैं सहयोग करने को तैयार हूं।

कांग्रेस का कार्यकर्ता नहीं डरेगा। क्या हुआ अंदर

मगर 8-9 घटे बैठाकर वक्त बबंद होता है। ऐसा ही हुआ अंदर नाम बताओ, पिता का नाम बताओ इस तरह की बातें करते हैं। मैं शहर का महापौर हूं, नगर निगम इमरजेंसी सेवा के तहत एक दफ्तर में रखा था। अखिर अंदर होता था है पूछे जाने पर महापौर ने कहा कि वहां अधिकारी बहुत समय लेते हैं, मैं बैठने को कह दिया जाता है। किस संघर्ष में पूछताछ करने वाले हैं ये हमारी पता, हमारा अपराध क्या है। एजाज ढेवर ने कहा कि वो जिस तरह की जांच करना चाहते हैं मैं सहयोग करने को तैयार हूं।

बाहर बजा गाना धर कब आओगे

एजाज ढेवर को जैसे ही पूछताछ के लिए बुलाया गया, सुवह से ही उनके समर्थकों ने धरना दे दिया। नरेबाजी करने लाए। सड़क पर पड़ाल लगाकर

कांग्रेस का कार्यकर्ता नहीं डरेगा। क्या हुआ अंदर

मगर 8-9 घटे बैठाकर वक्त बबंद होता है। ऐसा ही हुआ अंदर नाम बताओ, पिता का नाम बताओ इस तरह की बातें करते हैं। मैं शहर का महापौर हूं, नगर निगम इमरजेंसी सेवा के तहत एक दफ्तर में रखा था। अखिर अंदर होता था है पूछे जाने पर महापौर ने कहा कि वहां अधिकारी बहुत समय लेते हैं, मैं बैठने को कह दिया जाता है। किस संघर्ष में पूछताछ करने वाले हैं ये हमारी पता, हमारा अपराध क्या है। एजाज ढेवर ने कहा कि वो जिस तरह की जांच करना चाहते हैं मैं सहयोग करने को तैयार हूं।

बाहर बजा गाना धर कब आओगे

एजाज ढेवर को जैसे ही पूछताछ के लिए बुलाया गया, सुवह से ही उनके समर्थकों ने धरना दे दिया। नरेबाजी करने लाए। सड़क पर पड़ाल लगाकर

कांग्रेस का कार्यकर्ता नहीं डरेगा। क्या हुआ अंदर

मगर 8-9 घटे बैठाकर वक्त बबंद होता है। ऐसा ही हुआ अंदर नाम बताओ, पिता का नाम बताओ इस तरह की बातें करते हैं। मैं शहर का महापौर हूं, नगर निगम इमरजेंसी सेवा के तहत एक दफ्तर में रखा था। अखिर अंदर होता था है पूछे जाने पर महापौर ने कहा कि वहां अधिकारी बहुत समय लेते हैं, मैं बैठने को कह दिया जाता है। किस संघर्ष में पूछताछ करने वाले हैं ये हमारी पता, हमारा अपराध क्या है। एजाज ढेवर ने कहा कि वो जिस तरह की जांच करना चाहते हैं मैं सहयोग करने को तैयार हूं।

बाहर बजा गाना धर कब आओगे

एजाज ढेवर को जैसे ही पूछताछ के लिए बुलाया गया, सुवह से ही उनके समर्थकों ने धरना दे दिया। नरेबाजी करने लाए। सड़क पर पड़ाल लगाकर

कांग्रेस का कार्यकर्ता नहीं डरेगा। क्या हुआ अंदर

मगर 8-9 घटे बैठाकर वक्त बबंद होता है। ऐसा ही हुआ अंदर नाम बताओ, पिता का नाम बताओ इस तरह की बातें करते हैं। मैं शहर का महापौर हूं, नगर निगम इमरजेंसी सेवा के तहत एक दफ्तर में रखा था। अखिर अंदर होता था है पूछे जाने पर महापौर ने कहा कि वहां अधिकारी बहुत समय लेते हैं, मैं बैठने को कह दिया जाता है। किस संघर्ष में पूछताछ करने वाले हैं ये हमारी पता, हमारा अपराध क्या है। एजाज ढेवर ने कहा कि वो जिस तरह की जांच करना चाहते हैं मैं सहयोग करने को तैयार हूं।

बाहर बजा गाना धर कब आओगे

एजाज ढेवर को जैसे ही पूछताछ के लिए बुलाया गया, सुवह से ही उनके समर्थकों ने धरना दे दिया। नरेबाजी करने लाए। सड़क पर पड़ाल लगाकर

कांग्रेस का कार्यकर्ता नहीं डरेगा। क्या हुआ अंदर

मगर 8-9 घटे बैठाकर वक्त बबंद होता है। ऐसा ही हुआ अंदर नाम बताओ, पिता का नाम बताओ इस तरह की बातें करते हैं। मैं शहर का महापौर हूं, नगर निगम इमरजेंसी सेवा के तहत एक दफ्तर में रखा था। अखिर अंदर होता था है पूछे जाने पर महापौर ने कहा कि वहां अधिकारी बहुत समय लेते हैं, मैं बैठने को कह दिया जाता है। किस संघर्ष में पूछताछ करने वाले हैं ये हमारी पता, हमारा अपराध क्या है। एजाज ढेवर ने कहा कि वो जिस तरह की जांच करना चाहते हैं मैं सहयोग करने को तैयार हूं।

बाहर बजा गाना धर कब आओगे

एजाज ढेवर को जैसे ही पूछताछ के लिए बुलाया गया, सुवह से ही उनके समर्थकों ने धरना दे दिया। नरेबाजी करने लाए। सड़क पर पड़ाल लगाकर

कांग्रेस का कार्यकर्ता नहीं डरेगा। क्या हुआ अंदर

मगर 8-9 घटे बैठाकर वक्त बबंद होता है। ऐसा ही हुआ अंदर नाम बताओ, पिता का नाम बताओ इस तरह की बातें करते हैं। मैं शहर का महापौर हूं, नगर निगम इमरजेंसी सेवा के तहत एक दफ्तर में रखा था। अखिर अंदर होता था है पूछे जाने पर महापौर ने कहा कि वहां अधिकारी बहुत समय लेते हैं, मैं बैठने को कह दिया जाता है। किस संघर्ष में पूछताछ करने वाले हैं ये हमारी पता, हमारा अपराध क्या है। एजाज ढेवर ने कहा कि वो जिस तरह की जांच करना चाहते हैं मैं सहयोग करने को तैयार हूं।

बाहर बजा गाना धर कब आओगे

एजाज ढेवर को जैसे ही पूछताछ क

